

नेट ज़ीरो इनोवेशन वर्चुअल सेंटर

प्रलिस के लयि:

नेट ज़ीरो इनोवेशन वर्चुअल सेंटर, भारत-यूके वजिज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग, भारत का नेट ज़ीरो लक्ष्य ।

मेंस के लयि:

भारत-यूके संबंघ, भारत का नेट ज़ीरो/शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत-यूके वजिज्ञान और नवाचार परिषद की बैठक में, [भारत और यूनाइटेड किंगडम](#) ने जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय लक्ष्यों को संबोधित करने के उद्देश्य से 'नेट ज़ीरो' इनोवेशन वर्चुअल सेंटर की स्थापना की घोषणा की ।

नेट ज़ीरो इनोवेशन वर्चुअल सेंटर क्या है?

- यह वजिज्ञान और प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से [जलवायु परिवर्तन](#) और पर्यावरण के मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने के लिये भारत और यूके की एक संयुक्त पहल है ।
- यह दोनों देशों के हतिधारकों को एक साथ लाने के लिये एक फोरम प्रदान करेगा ताकि कुछ फोकस क्षेत्रों जैसे नरिमाण प्रक्रिया और परिवहन प्रणालियों के डीकारबोनाइजेशन तथा नवीकरणीय स्रोत के रूप में [गरीन हाइड्रोजन](#) पर काम कयिा जा सके ।
- यह उत्सर्जति और वातावरण से रमिब कयि गए गरीनहाउस गैसों की मात्रा को संतुलति करते हुए शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लक्ष्य का समर्थन करेगा ।
- यह दोनों देशों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान, नवाचार, अनुसंधान और वकिसा, क्षमता नरिमाण तथा नीतगित संवाद की सुवधि भी प्रदान करेगा ।

बैठक के मुख्य हाइलाइट्स:

- **भारत-यूके वजिज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग:**
 - यूके भारत के दूसरे सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान और नवाचार भागीदार के रूप में उभरा है ।
 - भारत और यूके के बीच संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम लगभग शून्य से बढ़कर 300-400 मलियन पाउंड के करीब पहुँच गया है ।
- **भारत की आर्थिक और तकनीकी क्षमताएँ:**
 - भारत अपनी असाधारण तकनीकी और नवीन क्षमताओं से संचालति एक आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है, विशेष रूप से कोवडि वैक्सीन की सफलता के बाद ।
 - ऊर्जा दक्षता और [नवीकरणीय ऊर्जा](#) केंद्रीय स्तंभ है जहाँ भारत सौर गठबंधन और स्वच्छ ऊर्जा मशिन जैसी वभिन्न पहलों के माध्यम से पहले ही नेतृत्व कर चुका है ।
 - भारत कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिये [पर्यावरण प्रदूषण](#) और तकनीकी-आधारति मार्गों के समाधान तथा नगिरानी समाधान वकिसति करने की दशिा में नरितर प्रयासों के माध्यम से महत्वाकांक्षी शुद्ध-शून्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये प्रतबिद्ध है ।
- **उद्योग-अकादमिक सहयोग:**
 - यह सहयोग दोनों देशों के आर्थिक वकिसा के लिये एक साथ नए उत्पादों/प्रक्रियाओं को वकिसति करने के लिये भारतीय और यूके शक्ति तथा उद्योग के लिये एक अवसर प्रदान करेगा ।

??????:

प्रश्न. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय (UNFCCC) के पक्षकारों के सम्मेलन (COP) के 26वें सत्र के प्रमुख परिणामों का वर्णन कीजिये। भारत द्वारा इस सम्मेलन में की गई प्रतिबद्धताएँ क्या हैं? (2021)

स्रोत: पीआईबी

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/net-zero-innovation-virtual-centre>

